पाठ 1

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली–गली।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाए जाने वाले कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह [ ] **दोपहर** [ ] **शाम** [ ]

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।

  जैसे – कली, भली
- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

  ......बोलो......... ......तितली...... ....डाल ....

  ....

  ....

  ....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

  अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे ....

  बुरी लगने वाली महक को कहेंगे ....
- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है	पसंद नहीं है
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है?

  (जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।
नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

.... तितली .... सूरजमुखी
.... बैंगन .... लड्डू

.... पेंसिल .... प्याला
.... कुर्ता .... साग
.... संतरा .... मिट्टी

2SLA3U